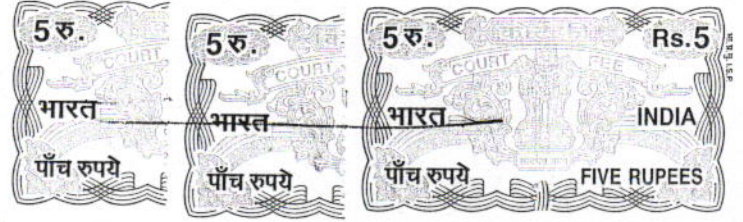


न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल (सागर केम्प) म.प्र.

रा.पु.क्र.

निमरानी 2513-I-15

पेश.ता. 16/07/15



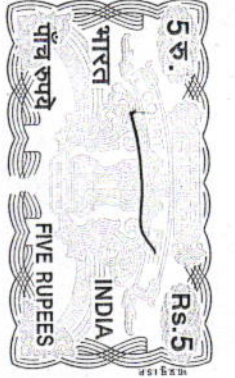
1. इंदरसींग उम्र 56 वर्ष बल्द गुलाबसींग
 2. मखनसींग उम्र 60 वर्ष तनय गुलाबसींग
 3. प्रकाशसींग उम्र 50 वर्ष तनय गुलावसींग
- सभी निवासी पिपरिया चंपत तह. पथरिया जिला दमोह (म.प्र.)

.....पुनरीक्षकर्ता

बनाम

दामोदर उम्र 70 वर्ष तनय शिवगुलाम कुर्मी
प्रेमरानी उम्र 72 वर्ष बेबा रामगोपाल कुर्मी
दोनों निवासी ग्राम हरदुवानी तह. पथरिया जिला दमोह (म.प्र.)

.....उत्तरवादी



पुनरीक्षण याचिका अंतर्गत धारा 50 म.प्र.भू. राजस्व संहिता

विरुद्ध अधिनस्थ न्यायालय श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी पथरिया दमोह के विद्वान पीठासीन अधिकारी श्री एस.एल.सामरथ द्वारा राजस्व अपील क्र.25अ6/वर्ष 13-14 पक्षकार दामोदर तनय शिवगुलाम+1 बनाम इंदरसींग तनय गुलावसींग+2 अन्य में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 09/07/15 से दुखी व पीडित होकर पुनरीक्षण याचिका अन्य आधार के अलावा निम्नलिखित आधारों पर प्रस्तुत कर रहे हैं:-

1. यहकि अधिनस्थ न्यायालय के विद्वान राजस्व अधिकारी महो कानून एवं प्रक्रिया की गंभीर भूल कर आलोच्य आदेश पारित किया है।
2. यहकि अधिनस्थ न्यायालय के उत्तरवादी/पुनरीक्षणकर्ता द्वारा मामले में हितबद्ध एवं प्रभावित व्यक्तियों को पक्षकार बनाने का आवेदनपत्र दिनांक 08.06.15 को प्रकरण का अवलोकन किये बिना निरस्त कर प्रक्रिया की गंभीर भूल की गयी है।
3. यहकि अधिनस्थ न्यायालय के अपील प्रकरण में संलग्न विचारण न्यायालय श्रीमान् तहसीलदार पथरिया के रा.प्र.क्र.809 वी121 वर्ष 2012-13 में पटवारी के प्रतिवेदन पर अधिनस्थ न्यायालय के विद्वान पीठासीन अधिकारी को विचार करना था, और वर्तमान ख.नं. 383 के भूमिस्वामी अपील प्रकरण पक्षकार का आदेश पारित करना था, ऐसा न कर गंभीर अनियमितता की गयी है।
4. यहकि उत्तरवादी क्र.1 दामोदर ने विचारण न्यायालय में दिनांक 07/09/13 को पेश किये आवेदनपत्र में अपनी भूमि का वर्तमान ख.नं. 383 बना स्वयं बतलाया है और वर्तमान में उपरोक्त नम्बर की भूमि के भूमिस्वामी राजस्व रिकार्ड में उत्तरवादी दामोदर और प्रेमरानी

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक. R. 25.13.1.15..... जिला ... दमोदर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
1. 12. 15	<p>इ-दर सिंटे दमोदर</p> <p>आवेक अधिवक्ता श्री प्रताप हुवे, उपाधीन। आवेक अधिवक्ता के प्रकल में ग्राह्यता पर सुना गया।</p> <p>आवेक अधिवक्ता को अपने तर्कों में वही तथा प्रस्तुत किये जो निगरानी मेमो में अंकित है जिसे यहां पुनरांकित व किया जाकर उच्च विचार में लिया जा रहा है।</p> <p>प्रकल में निगरानी मेमो में अंकित तथ्यों पर विचार किया गया तथा अधिपित आदेश दिनांक 9-7-15 का अवलोकन किया गया। अवलोकन से पाया गया कि अधिनस्थ - ग्राह्यता का प्रकल अंतिम तर्कों में नियत होने के कारण प्रकल में पक्षकार बनाये जाने हेतु आदेश। नियम 10 का आवेदन पर निरस्त किया गया, जिसके विरुद्ध यह निगरानी दफ - ग्राह्यता में प्रस्तुत की गई है। आवेक अधिवक्ता को निगरानी प्रकल में ऐसा कोई अभिलेखीय तथ्य प्रस्तुत ही किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता कि आवेक प्रकल में पक्षकार बनाए जाने की पत्रता रखता है तथा अधिनस्थ - ग्राह्यता के समस्त विचारधीन प्रकल में आवेक का हित संरक्षित है।</p> <p>अतः उपरोक्त विवेचना के आधार पर विचारोपरत प्रकल में ग्राह्यता का पर्याप्त</p>	

R. 25131/15

दिनांक

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>इ-क रिट कार्यवाही तथा आदेश</p> <p>इतं समुचित आधार न होने से यह निगामी प्रकण अग्रह्य किया जाता है। पक्षकार सूचित हैं। प्रकण दायित्व रिकर्ड है।</p> <p>11/2/15</p> <p>अग्रह्य</p>	<p>पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर</p>